



प्रो. सर्वज्ञ सिंह कटियार

कुलपति,

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय,

कानपुर

## शुभ-सन्देश

यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि लक्ष्मी देवी ललित कला अकादमी अपना प्रथम वार्षिकोत्सव आगामी ०७ अप्रैल, २००३ को स्थानीय प्रेक्षागार 'लाजपत भवन' में आयोजित करने जा रहा है तथा इस सुअवसर पर अकादमी द्वारा एक स्मारिका का भी प्रकाशन किया जा रहा है।

संगीत एवं ललित कला मानव के अन्तःकरण को प्रभावित करने का विशिष्ट साधन है। भारतीय कला केवल मनोरंजन तक ही सीमित नहीं है अपितु मानव जीवन के सभी पहलुओं को सुसंस्कृत रूप से उजागर भी करती है। यह दिव्य आत्म प्रसाद है। श्रेष्ठ कला वह है जिसके द्वारा आत्मा को परमानन्द प्राप्त होता है। भारतीय कला को इसीलिए विश्व में सम्मान प्राप्त है। आपकी अकादमी के वार्षिकोत्सव में विश्व विख्यात ख्याल गायक सर्वश्री राजन-साजन मिश्र की सुरलहरियों से कानपुर महानगर के संगीत प्रेमी एवं श्रोता लाभान्वित होंगे ऐसा मेरा विश्वास है।

अकादमी के इस आयोजन की सफलता के लिए एवं स्मारिका के प्रकाशन हेतु मैं अपनी शुभकामनायें प्रेषित करता हूँ।

(प्रो. एस.एस. कटियार)

कुलपति